नेमिछं. विक्ररा. पें, -थी, -ना करतां (सं.पार्श्वे); जुओ लोक पाहिं, शिष्य पाहिं

पाहिइ नलरा. -ना करतां; पासे [सं.पार्श्व] पाहिं जुओ पाहि

हम्मीप्र. परोणा पहुणा शुंगामं. प्राघूर्णक)

पाहुणी ऋषिरा. महेमान (स्त्री) प्राघुर्णिकी)

पाहे पंचवा. पासे (सं.पार्श्वस्मिन्)

पां *प्रेमाका*. -पें. -ना करतां **पांइ** प्रबोप्र. [पास, द्वारा]; -ना करतां (सं. पार्श्वे)

्षांउ *प्रेमाका.* पग [सं.पादु]

पांके अखाका. *अखाछ. पंकाय, वखणाय; अखाका. *पहोंचे, प्रिसिद्ध थाय, प्रगट थायो

पांखिया *षडाबा*. पक्षी

पांखु *दशस्कं(१). प्रेमाका.* पासेनुं, पडखेनुं पांखुडी वसंवि. पांख (सं.पक्ष)

पांखोदुं *दशस्कं(१). प्रेमाका.* पांगोठुं, बावडुं **पांगरड** ऐतिका. विहार करवो, [जवुं]

पांगरण प्राचीसं. [पागरण, ओढणुं, पछेडी] [दे.पंगुरण]; जुओ पागरण

पांगरो *प्रेमाका. चिटलानी सेर, लटी **पांगुरइ** उक्तिरः ओढणुं ओढे [दे.पंगुर] **पांगुरणउ** उक्तिर. ओढणुं, पछेडी [दे.पंगुरण]. **पांगुरावइ** उक्तिर. ओढाडे

पांचयज्ञ *प्राचीफा*. श्रीकृष्णना शंखनुं नाम (सं.पाञ्चजन्य)

(सं. (सं.

[छेतरामणीथी, भूलथी] [सं.प्रतार्]

पांचली *प्राचीफा*. पूतळी (सं.पांचाली) पांच शब्द सिंहा(म). पांच वाद्योनो मंगल-सूचक ध्वनि (सं.पंचशब्द) पांचाली कादं(शा). ढींगली, [पूतळी] (सं.) **पांजरी *** प्राचीफा. [पींजरिया, वहाणना खूवा उपर बेसी तपास करनार] (सं.पञ्जर परथी)

पांडर प्राचीसं. ?, [*फिक्क्रं] पांडरज उक्तिर. कादं(ध्र). धोलुं, फिक्कुं (सं. पांडुर)

पांडव *उषाह*. अश्वपाल **पांडरा** नरका. धोळा. फिक्का **पांद्ररोग** नरका. कमळो सिं.] पांण मदमो. हाथ (सं.पाणि); जुओ पाण्य पांणही वेताप. पाणवी, पथरी, (अही) पेटमां बंधातो गट्ठो [सं.पाषाण] पांतरइ जिनरा. ठगाय, छेतराय; ठगे, छेतरे;

पांतरउ जिनरा. प्रमाद, भूल, [छेतरामणी] पांतरा जुओ पातरा पांति उक्तिर. गुर्जरा. नेमिछं. लावल. पंक्ति,

हार, पंगत; लावल. पंक्ति, लीटी पांति, पांती नरका. नरप(द). प्रकार, बाजू (सं.पंक्ति)

पांते *प्रेमाका*. बाजुए, [समुदायमां] पांनहियां जिनरा. पगरखां [सं.उपानह] पांभडी उक्तिर. पामरी, उपरणो **पांभरी** *ऐतिका.* वस्त्रविशेष, पामरी, उपरणो

पांलंणे चंद्रवा. पालणामां, [झूलामां] [सं.